कुलदीप का पंच

भारत और जीत के बीच बारिश बन सकती है बाधा

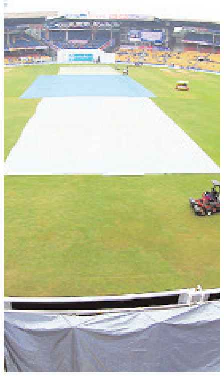

सिडनी, 6 जनवरी (ए)। चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव के ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहले ही टेस्ट में पांच विकेट की बदौलत भारत ने मेजबान टीम को चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन पहली पारी में 300 रन पर आउट करके फॉलोऑन के लिए मजबूर किया। खराब रोशनी के कारण जब चौथे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए छह रन बना लिए थे। मार्कस हैरिस दो जबकि उस्मान ख्वाजा चार रन बनाकर खेल रहे थे। कुलदीप ने सीरीज में पहला मैच खेलते हुए 99 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104.5 ओवर में 300 रन पर आउट हो गई। भारत ने 322 रन की बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया को फॉलोऑन करने के लिए कहा। सुबह का सत्र बारिश और खराब रोशनी की भेंट चढ़ने के बाद स्थानीय समयानुसार एक बजकर 50 मिनट पर खेल शुरू हुआ। इसके बाद एक बार फिर मौसम खराब हुआ और निर्धारित समय से जल्दी चायकाल का विश्राम ले लिया गया। बारिश और खराब रोशनी का खेल इसके बाद भी जारी रहा और फिर कोई और गेंद नहीं फेंकी जा सकी। भारत ने सुबह तुरंत ही नई गेंद ले ली। मोहम्मद शमी (58 रन पर दो विकेट) ने खेल शुरू होने पर छठी गेंद पर ही पैट कमिंस (25) को बोल्ड कर दिया। कमिंस शमी की नीची रहती गेंद को बिलकुल भी नहीं समझ पाए और अपने स्टंप गंवा बैठे। जसप्रीत बुमराह (62 रन पर एक विकेट) ने पीटर हैंड्सकॉम्ब (37) की धैर्यपूर्ण पारी का अंत किया। वह बुमराह की गेंद को विकेटों पर खेल गए। कुलदीप ने नाथन लायन (00) को पगबाधा करके ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 44 गेंद के भीतर 22 रन पर तीन विकेट गंवाए। कुलदीप को तुरंत ही पांच विकेट लेने का मौका लेकिन हनुमा विहारी ने मिड आन पर जोश हेजलवुड (21) का कैच टपका दिया जबकि बल्लेबाज ने खाता भी नहीं खोला था। इसके बाद विहारी के कंधे मे भी चोट लगी और हार्दिक पंड्या को उनकी जगह फील्डिंग के लिए उतरना पड़ा।

हेजलवुड और मिशेल स्टार्क (नाबाद 29) ने 10वें विकेट के लिए 42 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 300 रन तक पहुंचाया। कुलदीप ने हेजलवुड को पगबाधा करके ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया। हेजलवुड ने डीआरएस का सहारा लिया लेकिन तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को फॉलोऑन के लिए कहा। इंग्लैंड के खिलाफ नाटिंगम में 2005 के बाद यह पहला मौका है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम को फॉलोऑन के लिए मजबूर होना पड़ा है। घरेलू सरजमीं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम 1988 के बाद पहली बार फॉलोऑन खेल रही है। तब भी उसे इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में ही फॉलोऑन का सामना करना पड़ा था। इससे पहले लगातार बारिश और खराब रोशनी के कारण सुबह के सत्र में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी।

तेज बारिश और खराब रोशनी के कारण चौथे दिन का खेल जल्द हुआ खत्म

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर सुबह निर्धारित समय से आधा घंटा पहले 10 बजे खेल शुरू होना था लेकिन रात भर हुई तेज बारिश और खराब रोशनी के कारण ऐसा नहीं हो पाया। कुछ समय बाद रोशनी में सुधार हुआ और अंपायरों ने 11 बजे मैच शुरू करने का फैसला किया लेकिन इससे पहले बारिश आ गई। इसके बाद लंच के समय तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ और सुबह के सत्र में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 236 रन बनाए थे। भारत ने इससे पूर्व चेतेश्वर पुजारा (193) और ऋषभ पंत (नाबाद 159) की पारियों की बदौलत पहली पारी सात विकेट पर 622 रन बनाने के बाद घोषित की थी। भारत ने ऐडिलेड में 31 रन और मेलबर्न में 137 रन की जीत के साथ चार मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना रखी है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में दूसरा टेस्ट 146 रन से जीता था।

31 साल बाद किया ये कारनामा

कोहली ब्रिगेड ने तोड़ा कंगारूओं का अहंकार

सिडनी, 6 जनवरी (ए)। कोहली टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में फॉलोऑन देकर एक नया कारनामा किया है। जो 31 सालें से कोई भी टीम नहीं कर पाई थी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 300 रनों पर ऑलआउट कर दिया। वहीं कुलदीप यादव ने अपनी शानदार गेंदबाजी की बदौलत से

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने नहीं दिया और पहले पारी में 5 विकेट लिए। भारत टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल करने के बाद भारत सिडनी टेस्ट में भी मजबूत स्थिति में भी पहुंच चुकी है।खास बात ये है कि ये काम किसी और ने नहीं, बल्कि कोहली की विराट सेना ने किया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर जारी इस मैच में ऑस्ट्रेलिया मेहमान टीम की ओर से पहली पारी में बनाए गए (622/7) स्कोर से 322 रन पीछे है। इस फॉलोऑन के साथ ही भारत ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। विराट कोहली की कप्तानी में दिया गया ये छठवां फॉलोऑन है।

6 जनवरी और सिडनी से भारत का गहरा रिस्ता

6 जनवरी 1986 को ही भारत ने एक बार पहले भी ऑस्ट्रेलिया को सिडनी के इसी मैदान पर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। तब भारतीय कप्तान कपिल देव ने अपने जन्मदिन के दिन ही ऐलन बॉर्डर को फॉलोऑन खेलने को कहा था। आज भी 6 जनवरी ही है और कप्तान विराट कोहली ने टिम पेन को कहा कि वो फॉलोऑन खेलें।

भारत इतिहास रचने की कगार पर

आपको बता दें कि ये पहला मौका है जब भारत ऑस्ट्रेलिया की धरती पर पहली बार टेस्ट सीरीज जीतेगा। अब बस इंतजार है ये देखने का कि, सिडनी में खेला जा रहा मैच ड्रॉ होता है या फिर भारत इस सीरीज को 3-1 से खत्म करता है, क्योंकि जिस मुकाम पर ये टेस्ट मैच खड़ा है वहां से भारत की हार मुश्किल ही लगती है।

कोहली की कप्तानी में छठवां फॉलोऑन

इस फॉलोऑन के साथ ही भारत ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। विराट कोहली की कप्तानी में दिया गया ये छठवां फॉलोऑन है। ऑस्ट्रेलिया से पहले वह वेस्टइंडीज को दो बार, श्रीलंका को दो बार और बांग्लादेश को एक बार फॉलोऑन के लिए बुला चुके हैं। ऐसा नहीं है कि इन 31 सालों में ऑस्ट्रेलिया को कभी भी फॉलोऑन नहीं मिला था। कंगारुओं ने इन 31 सालों में फॉलोऑन तो खेला था, लेकिन अपने घर पर नहीं। हालांकि विदेश में भी उन्हें फॉलोऑन 13 साल पहले मिला था और ये काम किया था 2005 में इंग्लैंड की टीम ने ट्रेंटब्रिज के मैदान पर।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान पोंटिंग ने की कंगारू टीम की आलोचना

सिडनी, 6 जनवरी (ए)। नाथन लियोन के यहां रविवार को भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन अपने पगबाधा आउट होने के फैसले की समीक्षा नहीं करने का निर्णय लिया, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने मौजूदा टीम की आलोचना की। लियोन को कुलदीप यादव की गेंद के पैड पर लगने के बाद पगबाधा करार दिया गया। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने नान-स्ट्राइकर छोर पर खड़े मिशेल स्टार्क से पूछा कि उन्हें अंपायर के फैसले की समीक्षा लेने का विकल्प लेना चाहिए या नहीं, लेकिन दोनों ने ऐसा नहीं करने का फैसला किया जबकि उस समय पारी के दो रिव्यू बचे हुए थे और केवल दो ही विकेट रह गए थे।

चौथे दिन स्टंप तक ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 300 रन के स्कोर पर सिमट गई जिससे भारत ने फॉलोऑन ने का फैसला किया। भारत ने सात विकेट पर 622 रन पर पहली पारी घोषित की थी। पोंटिंग ने चैनल सेवन पर कहा, 'वो आउट होना काफी कुछ बताता है, इससे पता चलता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम की मानसिक स्थिति अभी कैसी है। कहीं भी कोई भी निराशा नहीं दिखती।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने इस पहलू के बारे में क्यों नहीं सोचा? उनके पास तब भी दो रिव्यू बचे थे।'पोंटिंग ने स्टार्क भी आलोचना की जो दूसरे छोर पर थे और उन्होंने इसमें कोई मदद नहीं की। उन्होंने कहा, 'सीधे इनकार कर देने से मिशेल स्टार्क का मतलब था कि यह फैसला लेना मुझ पर नहीं निर्भर नहीं करता, तुम्हें फैसला करना है।' उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, जब आप क्रीज पर होते हो तो यह भागीदारी होती है। आप अपने साथी खिलाड़ी को बचाने के लिए सब कुछ करने की कोशिश कर सकते हो। लेकिन वहां ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला।' रिप्ले में लगता है कि गेंद शायद ऑफ स्टंप की लाइन से बाहर निकली थी और अगर उन्होंने डीआरएस लिया होता तो लियोन को 'नाट आउट' करार किया जा सकता था।

स्पार्टन कंपनी के साथ करार करने वाले सचिन और धोनी को बड़ा झटका

सिडनी, 6 जनवरी (ए)। ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत के फैसले से एक स्पोर्ट्स कंपनी के साथ करार करने वाले कई क्रिकेटरों को कॉन्ट्रैक्ट के तहत मिलने वाली पेमेंट पर संशय के बादल मंडराने लग गए हैं। आपको बता दें कि यह मामला एक मशहूर स्पोर्ट्स कंपनी स्पार्टन से जुड़ा हुआ है। जिसमें कई मौजूदा और सचिन, धोनी जैसे पूर्व क्रिकेटरों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। सिडनी की एक अदालत ने सिडनी में स्थित स्पोर्ट्स कंपनी स्पार्टन द्वारा बकाए का भुगतान नहीं करने पर उसे बेचने का फैसला किया है।भारत के 30 से भी ज्यादा क्रिकेटर्स स्पार्टन के साथ करार किए हुए है, जिनमें एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, क्रिस गेल और इयोन मॉर्गन जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं। यदि अदालत के फैसले के तहत स्पार्टन कंपनी से जुड़ी कंपनी को लिक्विडेटिड कर दिया जाता है, तो इन क्रिकेटर्स का करार का पैसा डूब सकता है।वही एक वेबसाइट के मुताबिक, सिडनी स्थित कंपनी में भारतीय कारोबारी कुणाल शर्मा साझेदार हैं। इस कंपनी ने क्रिकेट की दुनिया के कई बड़े नामों के साथ करोड़ों रुपए का करार किया हुआ है। लेकिन कंपनी द्वारा भुगतान ना किए जाने का खुलासा उस वक्त हुआ, जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क, जिनकी कंपनी के साथ बैट स्पॉन्सरशिप की डील थी, पेमेंट ना मिलने पर अपने बैट पर कंपनी के लोगो का इस्तेमाल करना बंद कर दिया था।

जन्मदिन स्पेशल

भारत को पहली बार वर्ल्ड चैम्पियन बनाया था कपिल देव ने

नईदिल्ली, 6 जनवरी (ए)। साल 1983 के उस ऐतिहासिक पल भला कौन याद नहीं करना चाहेगा। जब लॉर्ड्स की बालकनी से पहली बार क्रिकेट वर्ल्ड कप की ट्रॉफी उठाकर कपिल देव ने देश को गर्व का पल देते हुए बड़ा जश्न मनाने का मौका दिया था। 1983 वर्ल्ड कप के ऐतिहासिक फाइनल मैच में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार भारत को क्रिकेट का वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले पूर्व भारतीय दिग्गज कप्तान कपिल देव का आज जन्मदिन है। 6 जनवरी 1959 को चंडीगढ़ में जन्में 'हरियाणा हरिकैन' के नाम से मशहूर हुए कपिल देव का क्रिकेट करियर बेहद शानदार रहा। भारतीय क्रिकेट के पहले सुपरस्टार और भारत के सबसे बेहतरीन आलराउंडर रहे कपिल देव ने अपने दौर में ना केवल टेस्ट और वनडे क्रिकेट में कई उम्दा रिकॉर्ड बनाए, बल्कि भारतीय क्रिकेट को बुलंदियों पर भी पहुंचाया।

1983 वर्ल्ड कप जीतने के बाद उधार की शैम्पेन से मनाया था जश्न

कपिल देव की कप्तानी में 1983 के वर्ल्ड कप में मिली जीत जितनी यादगार थी, उतना ही जीत का जश्न भी यादगार था। उस दौरान वेस्टइंडीज के कप्तान क्लाइव लॉयड को पूरी उम्मीद थी कि उनकी टीम ये वर्ल्ड कप जरूर जीतेगी। भारत के शुरुआती स्कोर के मद्देनजर वेस्टइंडीज की टीम प्रबंधन ने अपनी जीत पक्की समझते हुए जश्न के लिए ढेर सारी शैम्पेन मंगवाई थी, लेकिन उस वक्त उनका वर्ल्ड कप जीतने का सपना सिर्फ सपना ही रह गया।

अपने क्रिकेट के दिनों में अंग्रेजी का 'कत्ल' करते थे कपिल देव

साल 1983 का कपिल देव का एक किस्सा बहुत मजेदार है। अहमदाबाद टेस्ट में कपिल देव ने शानदार गेंदबाजी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। दुनियाभर से पत्रकार कपिल देव का इंटरव्यू करने पहुंचे थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तमाम पत्रकारों ने एक-एक कर अंग्रेजी में सवाल किए कि इतनी बड़ी जनसंख्या वाला देश आखिर दूसरा कपिल देव क्यों पैदा नहीं कर पाया, क्यों कपिल देव जैसा दूसरा कोई भारतीय तेज गेंदबाज पैदा नहीं हुआ? एक के बाद एक अंग्रेजी में आते सवालों के बाउंसर के घबराए कपिल देव ने सारा कॉन्फिडेंस जुटाते हुए अंग्रेजी भाषा में मजेदार जवाब दिया।

पाकिस्तान से सीरीज जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका को मिला 41 रन का लक्ष्य

केपटाउन, 6 जनवरी (ए)। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच केप टाउन में सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने के वक्त पाकिस्तान की पूरी टीम दूसरी पारी में 294 रन पर ऑल आउट हो गई। टेस्ट सीरीज जीतने के लिए प्रोटियाज टीम महज 41 रन की जरूरत है। तीसरे दिन पाकिस्तान के बल्लेबाज शान मसूद (61), असद शफीक (88) और बाबर आजम (72) की अर्धशतकीय पारियों से पाकिस्तानी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शनिवार को तीसरे दिन यहां पारी की हार टालने में सफल रही। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में आल आउट होने से पहले 431 रन बनाकर पाकिस्तान पर 254 रन की बढ़त कायम की। पाकिस्तान की दूसरी पारी में शुरूआत खराब रही और 27 रन तक टीम ने दो विकेट गवां दिए। इसके बाद मसूद और शफीक ने 132 रन की साझेदारी कर संघर्ष किया। इस साझेदारी के टूटने के बाद बाबर आजम ने एक छोर संभाले रखा जबकि दूसरे छोर से लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे।